JDMVP CO-OP. SAMAJ'S Shri. S.S.Patil Arts, Shri. BhausahebT.T.Salunkhe Comm. &

Shri G.R.Pandit Sci. (Nutan Maratha) College, Jalgaon

DEPARTMENT OF HINDI

Sr. No.	CLASS	PAPER NO.	PAPER TITLE	OBJECTIVES	LEARNING OUTCOME
1.	FYBA	CBCS-Core Course:-DSC HIN A-1 A-2	सामान्य हिंदी- कथा संचयन आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह	१ हिंदी भाषा एवम साहित्य की सम्यक जानकारी प्राप्त करना. २ हिंदी भाषा एवंम साहित्य के अतीत वर्तमान एवंम भविष्य कि पार्क करना. ३ भाषिक समृद्धी एवंम अभिवेक्ती कौशल्य के माध्यम से वेक्तीत्व का संपूर्ण विकास करना. ४ भाषिक संप्रेक्षण योग्यता संवर्धन तथा कौशल्य विकास आत्मसाद करना.	१ छात्रोके चिंतन क्षितीज का विस्तार होगा. २ रचनात्मक शक्ती एवंम लेखन कला का विकास होगा ३ भाषा की वेवहारीक उपयोगीताका ज्ञान प्राप्त होगा.
2.	SYBA	CBCS CORE-MIL HIN I & II	लेखन कौशल्य मिडिया और साहित्य लघूकथा और गीत नवगीत.	१ छात्रो को रचनात्मक लेखन के सेधान्तिकी से अवगत कराना. २ अभिवेक्ती के विविध क्षेत्रोसे छात्रो का परिचय कराना. ३ हिंदी लघुकथा के माध्यम से रचनात्मक लेखन कि सर्जन प्रक्रिया को दर्शाना.	१ मिडिया लेख का अध्यन करते हुये छात्रो को पत्रकारीता का स्वरूप एवंम पत्रकारिता के प्रकरो से अवगत होंगे. २ लाघुकाथावो का अध्यन करते हुए छात्रो मे सृजन प्रक्रिया का विकास होंगा.

				४ गीत तथा नवगीत का स्वरूप विवेचन करना.	३ गीत तथा नवगीत का रचना प्रक्रिया से छात्र अवगत होंगे.
3.	SYBA	CBCS –DSC (C) HIN-I & II	कथेत्तर गद्य विधाये ओर श्रेष्ठ हिंदी एकांकी.	१ कथेत्तर गद्य विधाओ का विकास्त्मक परिचय प्रस्तुत करना. २ कथेत्तर गद्य विधाओ की कालजयी रचनावो से छात्रो को परिचित करना. ३ एकांकी विधा का विकास्त्मक परिचय कराना. ४ एकांकीवो के माध्यम से रंगमंचीय प्रभाव को विषद करना.	१ कथेत्तर गद्य विधाओ में निबंध संस्मरण रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज, यात्रावर्णन, व्यंग्य, डायरी, संबोधन, आदी विधावो से छात्रों का परिचय होंगा. २ एकंकियोका का अध्यन करते समय रंगमंच वेवस्था मंचन प्रक्रिया को समजने में छत्रो को मदत होंगी.
4.	SYBA	DSE-IA& B.HIN	काव्य शाश्त्र	१ काव्य शास्त्र कासामन्य परिचय करना. २ काव्य की विविध विधावो का परीचय करना. ३ अलंकारो का परिचय करना.	१ काव्य की संस्कृत अंग्रेजी तथा हिंदी परीभाषाओ के अध्यन से छात्रो को स्वरुप समज आयेगा. २ विभिन्न अलंकारो के अध्यन करने से छात्रो को काव्य में अलंकारो का स्थान निछित करने में साहयता मिलेगी.
6.	TYBA	MIL-III & IV HINDI	संपादन लेख और साहित्य तथा हिंदी सिनेमा साहित्य	१ छात्रो को सम्पादकीय कला से अवगत करना. २ सम्पादक की योग्यता दैत्व और महत्त्व से परिचित करना. ३ छतो को हिंदी सिनेमा के	१ प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्यन कर कुशल संपादक निर्माण में सहिता मिलेगी. २ साहित्य और सिनेमा के सबंध को समजने में सहायत्ता मिलेगी.

				इतिहास से अवगत कराना. ४ सिनेमा और भारतीय समाजा के संबंध का परिचय देना. ५ साहित्य कृति पर आधरित सिनेमसे परिचित कराना.	३ सिनिमा के तकनिकी पक्ष को समजकर उस शेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की शमता विकसित होगी.
7.	TYBA	DSC-E & F(A) HINDI	विशेष विधा यात्रा साहित्य और भारतीय संत साहित्य.	१ यात्रा साहित्य विधा के सैधांतिक विवेचन से छात्रो को अवगत करना. २ यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय देना. ३ भारतीय संत काव्य का परिचय करना. ४ भारतीय संतो के काव्य का अध्यन करना.	१ प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्यन कर छात्र इस विधा की और आकर्षित होंगे और यात्रा विधा संपन्न होगी. २ भारतीय संतसाहित्य का अध्यन कर आदर्श समाज निर्माण में सहयता होगी.
8.	TYBA	SEC III & IV A HINDI	हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल्य तथा हिंदी भाषा का मानकी करन और अशुद्धि शोधन.	१ हिंदी भाषा के मानक रूप से परिचय कराना. २ शासकीय पत्र प्रारूप लेखन की क्षमता विकसित करना. ३ छत्रो को हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत करना. ४ सम्प्रेषण प्रक्रिया से अवगत करना.	१ प्रस्तुत कला का अध्ययन कर छात्रो में शुद्ध लेखन की कला विकसीतहोगी. २ सम्प्रेषण कला का विकास होगा. ३ वकृत्व और वादविवाद कला का विकास होगा.

9.	TYBA	DSE-III A & B HINDI	हिंदी साहित्य का इतिहास	१ हिंदी साहित्य का परिचय करना. २ आदिकाल भक्तिकाल और रीतिकालीन कवी और उनकी काव्यकृतियोकी जानकारी देना. ३ आदिकाल भक्तिकाल और रीतिकालीन विभिन्न प्रवृत्ति पर प्रकाश डालना. ४ आधुनिकाल की विभिन्न काव्यधरवो की जानकारी देना.	१ आदिकाल कवियो के काव्य का अध्यन करने से तत्कालीन सामजिक राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परीस्थिति की जानकारी प्राप्त होंगी. २ आधुनिक काल की विभिन्न विधावो से परिचय होगा.
10.	TYBA	DSE- IV A & B	हिंदी भाषा का विकास तथा भाषा विज्ञानं S-4	१ भाषा कि परिभाषाए और के स्वरुप को स्पष्ट करना. २ बोली तथा परिनिष्ठित भाषा में अंतर को स्पष्ट करना. ३ भाषा की उच्चारण प्रक्रिया को समजाना. ४ राष्ट्र भाषा आन्दोलन की इतिहास की जानकारी देना.	१ भाषा विज्ञान का अध्यन करने से छात्रो को भाषा उच्चारण प्रक्रिया समज आयेगी. २ राज भाषा तथा राष्ट्रभाषा का परिचय होंगा. ३ राष्ट्रभाषा आन्दोलन का अध्यन करने से विविध संस्थाए एवं वेक्तिवो की योगदान की जानकारी मिलेगी.
11.	TYBA	GEI A & B HINDI	हिंदी की राष्टीय काव्य धारा तथा खान्देश का लोक साहित्य.	१ हिंदी के राष्टीय काव्य धारा से परिचित करना. २ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की राष्ट्रिय काव्य धारा के योगदान को उजागर करना. ३ खान्देश के लोक साहित्य	१ राष्टीय काव्य धारा का अध्यन कर छात्रो में राष्ट्र के प्रति आस्था स्वाभिमान तथा गौरव के भाव जागृत होंगे. २ छात्र लोक साहित्य के सैधांतिक पक्ष से अवगत होंगे. ३ लोकसाहित्य के अध्ययन और

				और लोक संस्कृति से छात्रो को अवगत कराना. ४ छात्रो को खान्देश की प्रमुख बोलिया अहिराणी, लेवा,तथा आदिवासी बोलियो से परिचित कराना.	विश्लेषण करने से छात्रों में प्रादेशिक साहित्य के प्रती आस्था और अस्मिता का भाव जागृत होगा.
12.	FY.B.COM	Core Elective – 101 & 201	सामान्य हिंदी	देश के प्रसिद्ध उद्योगपतियो का परिचय कराना.	प्रसिद्ध उद्योगपतियो का चरित्र पढ़कर छात्र उद्योग शेत्र और आकर्षित होंगे.
13	FYBSC	AEC-C Hindi	भाषिक संप्रेषण और साहित्य.	हिंदी भाषा एवं साहित्य कि सम्येक जानकारी प्राप्त करना.	१ रचनात्मक शक्ति एवं एखन कला का विकास होगा.
14	MA-I	CORE PAPER HINDI 112 & HINDI 122	आदिकालीन भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य	१ हिंदी के प्रतिनिधि कविवो की कृतियों के अध्यन द्वोरा आदिकालीन भक्तिकलिम एवं रिकालिन काव्य से परिचय प्राप्त करना. २ आदिकालीन भक्तिकलिम एवं रितीकालिन प्रमुख काव्यप्रवृत्ति की जानकारी प्राप्त करना. ३ वर्तमान परिप्रेक्ष में इन कवीवो के महत्व से अवगत होना.	१ तुलसीदास, सूरदास, कबीर, जायसी, भूषण, आदि. कविओके काव्य का अध्यन करने से तत्कालीन सामजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, परिस्थियो से छत्रो का परिचय होगा.
15.	MA-I	CORE PAPER HINDI 0113 & HINDI 0123	भारतीय एवं पाश्यात्य काव्य सिधान्त.	१ भारतीय एवं पाश्यात्य काव्य सिधान्तों का सामान्य परिचय देना. २ भारतीय एवं पाश्यात्य	१ भारतीय काव्यशास्त्र के रस, ध्वनि, अलंकर, रीती, वक्रोक्ति तथा अवचित्य सिधान्तो से छात्रो का परिचय होगा. २ पाश्यात्य काव्य के सिधान्तों में

				काव्य सिधान्तों का ज्ञान देना.	अनुकरण विरेचन अभिवेंजनावाद मनोवेज्ञानिक मुल्यावाद, संप्रेक्षण आदि सिधान्तों का अध्यन करने से काव्यशास्त्र को विस्तार से समजा जायेगा.
16	MA-I	CORE PAPER HINDI 0114 & HINDI 0124	विशेष साहित्यकार कबीरदास तथा आदिवासी विमर्श.	१ आदिवासी रचनाकारो का परिचय करना. २ आदिवासी संस्कृति और समाज को समजना. ३ विशेष साहित्यकार के रूप में कबीरदास का अध्यन करना. ४ युगीन परिप्रेक्ष में कबीर काव्य की प्रेरनाओ तथा विशेषताओ का अध्यन करना.	१ कबीरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व के अध्यन से तत्कालीन विविध परिस्थिवो ज्ञान मिलेगा. २ आदिवसी साहित्य कारो की रचनओ का आद्यां करने से आदिवासी संस्कृति को समजने में सहित मिलेगी.
17.	MA-II	HIN- 0231 and 0241	महाकाव्य-और खंडकाव्य, कव्यनाटक और नई कवीता.	१ छातो को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृतियो से परिचित करना. २ भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था तथा समीक्षात्मक दृष्टी विकसित करना. ३ आधुनिक काल के काव्य, नाटक एवं नई कविता की प्रवृतिया एवं उनके तात्विक ज्ञान करना.	१ जयशंकर प्रसाद की रचना कामायनी और भवानी प्रसाद मिश्र की रचना कालजयी का अध्यन करने से छात्रो में भारतीय संकृति के प्रति आस्था बढेगी. २ महाकाव्य और खंड काव्य के भेद समजने में मदत होगी.
18	MA-II	HIN-0232 & 0242	भाषा विज्ञानं	१ भाषा विज्ञानं की नविन सखाओ का अध्यन करना. २ भाषा स्वंन उच्चारण प्रक्रिया	१ भाषा विज्ञानं की उपसखाये कोष विज्ञानं, समाज भाषा विज्ञानं, मनोभाषा विज्ञानं, भाषा भूगोल का अध्यन करने

				को समज कर शुद्ध उच्चारण करना.	से भाषा विज्ञानं की परमपरा और स्वरुप को समजने में मदत मिलेगी. २ भाषा से अर्थ प्रतीति समजने में मदत मिलेगी.
19	MA-II	HIN- 0234 and 0244	लोकसाहित्य एवं अनुवाद विज्ञानं.	१ लोकसाहित्य के महत्व समजते हुए उसके अध्यन का महत्त्व स्पष्ट करना. २ लोकसाहित्य का सामजिक राष्ट्रिय एवं सांस्कृतिक महत्त्व बताकर उसके विशेष अध्यन के लिए प्रेरणा देना. ३ छात्रों में अनुवाद की प्रेरणा विकसित करना. ४ अनुवाद के सांकृतिक महत्व को रेखांकित करना. ५ अनुदित साहित्य का महत्व समझाना.	१ लोकसाहित्य का विशेष अध्यन करने की छात्रों को प्रेरणा मिलेगी जो समाज और राष्ट्र के सांस्कृतिक महत्व बढायेगी. २ अनुवाद शमता का विकास होनेपर कुशल अनुवादक के रूप में छात्र रोजगार प्राप्त कर सकेंगे. ३ साहित्य के अनुवाद से सांस्कृतिक एकता स्थापन करने में सहायता मिलेगी.